ilseing collected and will be laid on the Table of the Sabha,

Difference between cost of production and selling price of Lux toilet soap and Cibaca tooth brush

728. SHRI JAGESH DESAI:
DR. RUDRA PRATAP SINGH;

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state;

(a) whether it is a fact that the cost of manufacturing one cake of Lux toilet soap is Rs. 1.03 and that of Cibaca toothbrush is Rs. 1.06;

(b) whether it is also a fact that these items are being sold at a profit of 300 per cent to 400 per cent; and

(c) whether Government would get this examined by the Bureau of Industrial Costs and Prices and compel these companies to sell these items at reasonable prices?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI AJIT SINGH): (a) to (c) There is adequate production of toilet soaps and tooth brushes in the country and these are being sold under various brand names. The prices are determined by the interplay of market forces in a competitive market. There is no proposal to **get the prices of** these two items examined by **the Bureau** of Industrial Cost and **Prices.**

भारी इंजीनियरिंग निगम, रांची द्वारा अर्जित भूमि के मूल्य का भुगतान

729. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारी इंजीनियरिंग निगम, रांची के लिए अर्जित भूमि के सम्बन्ध में अभी कितनी राशि का और भुगतान किया जाना है ; और

(ख) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं ।

उद्योग मंत्री (श्री अजीत सिंह) : (क) और (ख) बिहार सरकार द्वारा हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन के लिए अधिगृहीत भूमि के लिए कोई प्रतिपूर्ति भुगतान लम्बित नहीं है ।

बिजली की कमी के कारण कोल इंडिया लि० को हुई हानि

730. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पश्चिमी बंगाल और बिहार में स्थित कोल इंडिया लि० की अधिकांश खानों को बिजली की कमी के कारण भारी हानि उठानी पड़ी है ?

(ख) यदि हां, तो जून और जुलाई, 1990 के दौरान इन कोयला खानों की कार्यक्षमता पर क्या असर पड़ा और इन्हें हुई हानि का ब्यौरा क्या है ;

(ग) इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) जी, हां ।

(ख) जून तथा जुलाई, 1990 के महीनों के दौरान पूर्वी क्षेत्र की खानों में बिजली की कमी होने के कारण कोयले के उत्पादन की हानि हुई । 25 तथा 26 जून, 1990 को पूर्वी क्षेत्र में ग्रिड के फेल हो जाने के कारण कोयला खानों में बिजली की आपूर्ति बहुत बड़ी तरह से प्रभावित हुई । उक्त क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण स्थिति और बिगड़ गई। पानी में डूबने की वजह से 111 कार्य स्थानों पर कोयले के उत्पादन पर प्रभाव पड़ा (ई०सी०एल० 31, बी०सी०सी०एल० 50, सी०सी०एल० 30) चूंकि बिजली में व्यवधान होने के कारण पानी को निकालने के कार्य में रुकावट आयी । इस अवधि के दौरान कोयले के उत्पादन